



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 283]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1976/भाद्र 4, 1898

No. 283]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 26, 1976/BHADRA 4, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

### NOTIFICATION

#### CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 26th August 1976

G.S.R. 767(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments to the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No 198/76-Central Excises, dated the 16th June, 1976 namely:—

In the said notification, after paragraph 3, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"3A. Where a manufacturer—

(i) does not clear the whole or any part of any excisable goods specified against serial No. 26 of the Table hereto annexed but manufactures, from the said excisable goods not so cleared, any article; or

(ii) manufactures, from molten metal obtained in the processing of alumina or bauxite or both, article

in either case falling within any of the sub-items [not being sub-item (a)(i)] of Item No. 27 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and clears such article from the factory, then for the purposes of this notification, such manufacturer shall be deemed to have cleared the excisable goods specified against the said serial No. 26."

[No. 234/76]

I.AJJA RAM, Dy. Secy.

## राजस्व और बैंकिंग विभाग

## अधिसूचना

## केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1976

सांकांनि० 767 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना संख्या 198/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जून, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैरा 3 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“3क. जहां विनिर्माता —

(i) इससे उगावद्ध सारिणी की क्रम संख्या 26 के सामने विनिर्दिष्ट किन्हीं उगावद्ध शुल्क्य कुल माल की अथवा उसके किसी भाग की निकासी नहीं करता है किन्तु उक्त उत्पाद-शुल्क्य माल से जिसकी निकासी नहीं की गई है किसी वस्तु का विनिर्माण करता है ; अथवा

(ii) एल्यूमिना या बाक्साइट या दोनों के प्रसंस्करण में अभिप्राप्त गलित धातु किसी वस्तु का विनिर्माण करता है,

और उक्त दोनों में से कोई भी मामला केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क्य और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 27 की उप मदों में से किसी के अन्तर्गत (उप मद (क) (i) के अतिरिक्त) आता है तथा विनिर्माता ऐसी वस्तु की कारखानों से निकासी करता है तब वहां अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए यह समझा जाएगा कि ऐसे विनिर्माता ने उक्त क्रम संख्या 26 के सामने विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क्य माल की निकासी की है।”

[सं० 234/76]

लज्जा राम, उप सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा  
निर्यंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976